भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1756

01 अगस्त, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात की कीमतों में उछाल

1756. डा. फौजिया खान:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जनवरी 2021 में भारत कच्चे इस्पात उत्पादन में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश रहा है;

(ख) क्या यह सच है कि देश में इस्पात की कीमतें बढ़ी हैं, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या अप्रैल-मई 2022 में देश में इस्पात की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि का निर्माण गतिविधियों पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या भूमिका निभाई गई है; और

(घ) सरकार द्वारा इस्पात की कीमतों में अचानक वृद्धि को रोकने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क): विश्व इस्पात संघ द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2021 के दौरान, भारत 10.30 मिलियन टन के उत्पादन के साथ विश्व में कच्चे इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था।

(ख) और (ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है जहां कीमतें मांग और आपूर्ति, वैश्विक बाजार की स्थितियों, कच्चे माल की कीमतों में रूझानों, लॉजिस्टिक लागत, बिजली और ईंधन लागत आदि से प्रभावित होती हैं। अप्रैल-मई 2022 की तुलना में जून, 2022 में प्रमुख इस्पात वस्तुओं की औसत कीमतें निम्नानुसार घटी हैं:-

वस्तुएं	अप्रैल '22	मई '22	जून '22
वॉयर रॉड 8 एमएम	65949	65055	57775
राउंड्स 12 एमएम	66674	63108	57091
टीएमटी 10 एमएम	70265	66678	59172
प्लेट 10 एमएम	76225	71182	62309
एचआर क्वॉइल 2.00 एमएम	77949	73591	64629
सीआर क्वॉइल 0.63 एमएम	86335	80261	71877
जी.पी शीट 0.63 एमएम	91617	87377	78528
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति, जीएसटी रहित कीमतें रुपए प्रति टन में।			

विगत वर्ष की समान अवधि की तुलना में अप्रैल-मई 2022 के दौरान निर्माण क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले लांग इस्पात उत्पादों के उत्पादन और खपत का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

	कुल लॉंग उत्पाद (बार्स, रॉड, स्ट्रक्चरल और रेलवे सामग्री)			
	अप्रैल 21	**अप्रैल 22**	**मई 21**	**मई 22**
उत्पादन	4.97	5.16	4.27	5.23
खपत	5.13	5.20	4.39	5.13
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी), मात्रा मिलियन टन में				

(घ): इस्पात की कीमतों को स्थिर करने के लिए सरकार ने विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनमें शामिल हैं:-

(i) केन्द्रीय बजट 2021-22 में, गैर मिश्र-धातु, मिश्र धातु और स्टेनलेस स्टील के सेमीज, फ्लैट और लॉंग उत्पादों पर सीमा शुल्क को 7.5% तक घटा दिया गया है। केन्द्रीय बजट 2022-23 में इस्पात स्क्रैप पर सीमा शुल्क में छूट को 31.03.2023 तक बढ़ा दिया गया है, साथ ही इस्पात उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्कों (एडीडी) और प्रतिकारी शुल्कों (सीवीडी) को हटा दिया गया है। ग

(ii) सरकार ने दिनांक 21.05.2022 की अधिसूचना द्वारा इस्पात के कच्चे माल और अन्य इस्पात उत्पादों के शुल्कों में संशोधन किए हैं जिसमें एन्थ्रेसाइट/पलवराइज्ड कोल इंजेक्शन (पीसीआई) कोल, कोक, सेमी कोक और फेरो-निकेल पर आयात शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया है। लौह अयस्क/सांद्र और लौह अयस्क पेलेट पर निर्यात शुल्क को बढाकर क्रमशः 50% और 45% कर दिया गया है और पिग आयरन एवं कई इस्पात उत्पादों पर 15% निर्यात शुल्क लगाया गया है।

******